वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 199 | रविवार 16 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जंतर-मंतर पर लौटी रौनक...

सांस्कृतिक रंग, सैलानियों की भीड़ और ऐतिहासिक धरोहर के बीच जंतर-मंतर पर पर्यटकों का उत्साह फिर नजर आया। राजधानी जयपुर का यह प्रतीक स्थल एक बार फिर जीवन से भर उठा है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में राजस्थान की बड़ी छलांग, निवेशकों को मिला बड़ा लाभ

राजस्थान ने एमएसएमई सेक्टर को राहत देते हुए चेंज ऑफ लैंड यूज की समय सीमा 60 से घटाकर 30 कार्य दिवस कर दी है, जिसमें समय सीमा समाप्त होने पर स्वतः स्वीकृति का प्रावधान जोड़ा गया है।

जयपुर. कासं

कैबिनेट सचिव डॉ. टी. वी. सोमनाथन ने देशभर के मुख्य सचिवों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत कंप्लायंस रिडक्शन एवं डीरेगुलेशन में राजस्थान की उपलब्धियों की विशेष सराहना की। बैठक में राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्य में नियामकीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण और निवेश अनुकूल माहौल विकसित करने हेतु किए गए सुधारों की विस्तृत प्रस्तुति दी। **चेंज ऑफ लैंड यूज की समय सीमा घटाई:** राजस्थान ने एमएसएमई सेक्टर को राहत देते हुए चेंज ऑफ लैंड यूज की समय सीमा 60 से घटाकर 30 कार्य दिवस कर दी है, जिसमें समय सीमा समाप्त होने पर स्वतः स्वीकृति का प्रावधान जोड़ा गया है। प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। एमएसएमई के लिए कंसेंट टू एस्टैब्लिश और कंसेंट टू ऑपरेट के लिए थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया को 120 दिनों से घटाकर 21 दिन कर दिया गया है, जबकि रेड श्रेणी के उद्योगों के लिए यह अवधि 60 दिन निर्धारित की गई है।

गैर-प्रदूषणकारी उद्योग नियामकीय बोझ से मुक्त

राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सभी श्रेणियों के उद्योगों के लिए सीटीओ के सिस्टम जनरेटेड ऑटो रिन्यूवल की सुविधा शुरू की है। साथ ही व्हाइट कैटेगरी उद्योगों की सूची 104 से बढ़ाकर 877 कर दी गई है, जिससे अधिक गैर-प्रदूषणकारी उद्योग नियामकीय बोझ से मुक्त हुए हैं।

फायर एनओसी की वैधता अवधि बढ़ाई: राजस्थान शॉप्स एंड कमर्शियल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट में संशोधन कर कर्मचारियों की सीमा बढ़ाने, फायर एनओसी की वैधता अवधि बढ़ाने और थर्ड पार्टी फायर इंस्पेक्टर्स की व्यवस्था लागू करने से अनुपालन बोझ में और कमी आई है। राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली राजनिवेश को चैटबॉट से सुसज्जित किया गया है, जो निवेशकों को वास्तविक समय में सहायता प्रदान करता है।

बालेसर में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

युवा शक्ति भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव, मिले प्रोत्साहनः शेखावत

खेल महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। पंचायत स्तर पर सफल आयोजन के बाद अब ब्लॉक स्तर पर डेढ़ हजार से अधिक खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं।

जोधपुर. कासं

जोधपुर के बालेसर में आयोजित सांसद खेल महोत्सव की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं का शनिवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, अनुशासन और संकल्प ही नए भारत की प्रगति का आधार हैं। प्रतियोगिताओं में लगभग डेढ़ हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया और मैदान में उत्साह चरम पर रहा। उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। पंचायत स्तर पर सफल आयोजन के बाद अब ब्लॉक स्तर पर डेढ़ हजार से अधिक खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन में केंद्रीय मंत्री और विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने रस्साकशी प्रतियोगिता की शुरूआत कर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नसीराबाद थाने में वंदे मातरम् एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आयोजित

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

पुलिस महानिरीक्षक अजमेर रेंज राजेन्द्र सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकड़ी शोराज मल मीणा तथा पुलिस उप अधीक्षक वृत नसीराबाद कृष्ण कुमार यादव के पर्यवेक्षण में, पुलिस निरीक्षक एवं थानाधिकारी अनिल देव, पुलिस थाना नसीराबाद सिटी द्वारा थाने में राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‌के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम्‌एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस थाना नसीराबाद सिटी के समस्त कार्मिक/अधिकारीगण, सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्र तथा स्कूल के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

श्री पवन-श्रीमती रीटा पाटनी

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

16 नवम्बर' 25

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री मज्जी जिनेंद्र नेमीनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मज्जी जिनेंद्र नेमीनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव (9.11.2025 से 15.11.2025), मुंशी महल गार्डन, जयपुर के कार्यक्रम के शुभ अवसर पर जयपुर शहर के सन् 1915 में स्थापित, 110 वर्ष प्राचीन श्री दिगंबर जैन औषधालय, बोरडी का रास्ता द्वारा एक निःशुल्क जांच एवं दवा वितरण शिविर/स्टॉल का आयोजन किया गया। इस शिविर में औषधालय की ओर से अनुभवी वैद्य राज श्री पवन जी एवं उनके सहायक श्री महेंद्र जी ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं इस व्यवस्था का संचालन औषधालय प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री निहाल सोगानी एवं मंत्री श्री महावीर जैन के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर/स्टॉल की व्यवस्थाएँ प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्य श्री अशोक कुमार जैन, श्री शांति जी काला, एवं श्री चेतन जी जैन के विशेष प्रयासों से सुचारू रूप से की गईं। इस कैंप में वैद्य जी द्वारा परामर्श तथा आयुर्वेदिक दवाएँ पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान लगभग 450 पुरुषों एवं महिलाओं ने इस सेवा का सीधा लाभ प्राप्त किया। कैंप का समय प्रातः 8:30 बजे निर्धारित किया गया था। औषधालय की ओर से दवाइयों का विवरण एवं उपलब्धता एक पैंफलेट के माध्यम से प्रदान कर प्रचार-प्रसार भी किया गया। यह उल्लेखनीय है कि श्री दिगंबर जैन औषधालय में सभी दवाएँ एवं अन्य उत्पाद– जैसे च्यवनप्राश, शरबत आदि–जैन विधि द्वारा तैयार किए जाते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्री दिगंबर जैन औषधालय ने समाज के मध्य औषधालय के उद्देश्यों का प्रचार-प्रसार एवं औषध दान की भावना को सुदृढ़ किया।

प्ले जोन उद्घाटन एवं फन फिएस्टा का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। 15 नवंबर 2025 को पद्मावती पब्लिक स्कूल में नव-निर्मित प्ले जोन का शुभ उद्घाटन श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के कोषाध्यक्ष श्री महेश जी काला, कार्यकारिणी सदस्य श्री मुकेश सोगानी तथा अन्य सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। नव स्थापित प्ले जोन में विद्यार्थियों के लिए नवाचार आधारित, सुरक्षित एवं आकर्षक खेलकूद उपकरण लगाए गए हैं, जिनका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास को और अधिक प्रभावी बनाना है। इसके साथ ही विद्यालय में फन फि एस्टा का भी आयोजन किया गया, जिसे इस वर्ष जंगल थीम पर सजाया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों के लिए विविध रोचक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। जंगल थीम पर आधारित इस आयोजन में जंगल से जुड़े विभिन्न जानवरों के मॉडेल स्थापित किए गए तथा उनके बारे में बच्चों और अभिभावकों को शैक्षिक एवं रोचक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने सभी आगंतुक अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया तथा विद्यालय की विशेषताओं एवं चल रही शैक्षिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

वेद ज्ञान

कुदरत में प्रतिदिन अंधेरे और उजाले का अहसास होता है

कुदरत में प्रतिदिन अंधेरे व उजाले का अहसास होता रहता है। कभी अंधेरा होता है तो कभी उजाले के पल नसीब होते हैं, लेकिन ये दोनों ही पल प्रतिदिन प्राप्त होते रहते हैं। इसी प्रकार से मनुष्य के जीवन में भी अंधेरे व उजाले दोनों के ही पल आते और जाते रहते हैं, लेकिन जीवन के अंधेरे व उजाले के पल कुछ भिन्न होते हैं। इनमें कभी लंबे समय तक अंधेरा रहता है तो कभी उजाला। उजाला तो उल्लास व उमंग के साथ व्यतीत होता रहता है, किंतु अंधेरे के पलों का सामना करना ही पड़ता है, जिसके लिए माध्यम तलाशना पड़ता है। रोशनी के समान माध्यम मिलने पर यह दूर होता रहता है, अन्यथा जीवन कष्टकारी हो जाता है। ऐसी स्थिति में धैर्य की आवश्यकता होती है। धैर्य न होने पर जीवन का अंधेरा गहरा होने लगता है और यही दशा लोगों को ग्रह खराब होने का अहसास कराती है, जबकि यह तो ईश्वरी व्यवस्था है जिसमें अंधेरे व उजाले दोनों का ही अहसास होता रहता है। जीवन में अंधेरे के पलों का दूर न हो पाना वास्तव में धैर्य की परीक्षा है। धैर्य की परीक्षा में जो पास हो जाता है, उन्हें उजाला आने पर इतना आनंद प्राप्त होता है जिससे वह अंधेरे के पलों के कष्टों को भूल जाता है, लेकिन जो धैर्य की परीक्षा में फेल हो जाता है उनके जीवन का अंधेरा प्रबल होने लगता है जिससे सकारात्मक ऊर्जा की मात्रा कम होने लगती है और नकारात्मक ऊर्जा का स्तर बढ़ने लगता है। नकारात्मक ऊर्जा का बढ़ा हुआ स्तर धैर्य की परीक्षा को आगे भी पास नहीं होने देता है। इस कारण नकारात्मक ऊर्जा का स्तर और भी बढ़ जाता है जो धैर्य की परीक्षा को कभी भी पास नहीं होने देता जिससे अंधेरे के पल बढ़ते ही जाते हैं। अंधेरे के पल बढ़ने से उजाले के पलों का कम होना स्वाभाविक है। मस्तिष्क में नकारात्मक ऊर्जा जैसे-जैसे बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति की समझ का दायरा संकुचित होता जाता है और एक स्थिति ऐसी भी आती है जब व्यक्ति दूसरों के इशारे पर चलने लगता है। नकारात्मक ऊर्जा के स्तर को कम करने का मात्र एक ही उपाय है और वह उपाय आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति है, जिससे जीवन में पहले की ही तरह उजाले व अंधेरे का प्राकृतिक अहसास स्वाभाविक रूप से होना प्रारंभ हो जाता है।

संपादकीय

नेतृत्व की सुई नीतीश की ओर ही स्थिर रही...

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को ऐसा प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया है कि नीतीश कुमार ही बिहार के निर्विवाद सर्वोच्च नेता हैं। चुनाव एनडीए ने भले ही सामूहिक रूप से लड़ा हो, लेकिन नेतृत्व की सुई अंततः नीतीश की ओर ही स्थिर रही। यह उनके लंबे राजनीतिक जीवन की अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में इस बार लगभग

दोगुनी सीटों पर बढ़त दर्ज की। मतगणना की शुरूआत से ही भाजपा और जदयू की संयुक्त बढ़त मजबूत रही। सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जदयू 76 सीटों पर आगे थी और बाद में यह संख्या बढ़ते-घटते हुए भी लगभग बराबर बनी रही। यह जनादेश और भी उल्लेखनीय है क्योंकि भाजपा अंततः सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। एनडीए की शुरूआती बढ़त 190 सीटों से आगे निकल गई, जबकि महागठबंधन मात्र 50 सीटों पर सिमटा रहा। इतना व्यापक अंतर बताता है कि मुकाबला एकतरफा रहा और मतदाताओं की पसंद स्पष्ट। गृहमंत्री अमित शाह ने भी पहले 160 सीटों के आसपास की जीत का अनुमान जताया था, लेकिन नतीजे इस आकलन से कहीं आगे निकल गए। आश्चर्यजनक यह है कि 20 वर्ष से अधिक समय से सत्ता में रहने के बावजूद नीतीश कुमार न केवल स्वीकार्य हैं, बल्कि और अधिक प्रासंगिक होकर उभरे हैं। यह वही विश्लेषण पुष्टि करता है कि नीतीश के विरुद्ध कोई व्यापक असंतोष नहीं था, लहर तो दूर, कोई असरदार विरोध भी नहीं दिखा। आज बिहार में नीतीश कुमार को नया जननायक कहने में अतिशयोक्ति नहीं है। वे उस दुर्लभ राजनीतिक पीढ़ी के अंतिम प्रतिनिधि हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संपूर्ण क्रांति के बैनर तले राजनीति की शुरूआत की थी। जॉर्ज फर्नांडीज, शरद यादव, कर्पूरी ठाकुर, रामविलास पासवान ये सभी नक्षत्र विलीन हो चुके हैं। लालू प्रसाद यादव अस्वस्थ हैं। ऐसे में नीतीश ही अकेले ऐसे नेता हैं, जिन पर बिहार की जनता ने यह ऐतिहासिक भरोसा दोहराया है। बिहार की राजनीति में यह जनादेश केवल अगड़ों या किसी एक वर्ग का समर्थन नहीं है। यह समर्थन जाति, धर्म, वर्ग, समुदाय, लिंग और आयु की सभी सीमाओं को पार करता हुआ दिखाई देता है। एनडीए को दलित-महादलित, पिछड़ा-अतिपिछड़ा, सवर्ण, युवा, बुजुर्ग, ग्रामीण, शहरी सभी समूहों से वोट मिले हैं। यहां तक कि मुस्लिम मतदाताओं की भी उल्लेखनीय हिस्सेदारी मानी जा रही है। यह संपूर्ण सामाजिक समर्थन ही इस प्रचंड विजय का आधार है। मतगणना के दौरान एनडीए 206 सीटों पर आगे था, जबकि विपक्ष मात्र 30 सीटों पर। भाजपा 95 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी और जदयू 82 सीटों पर आगे रही। लोजपा (आर) ने भी 20 सीटों पर बढ़त पाकर एनडीए को निर्णायक सहयोग दिया। दूसरी ओर महागठबंधन का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं कमजोर रहा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

समाज को राह दिखाता है मीडिया...

रमेश सर्राफ धमोरा

देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आज भी अलग-अलग परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों को निभा रही है। लेकिन मौजूदा समय में पत्रकारिता की राह पहले से कहीं अधिक कठिन हो गई है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार और अपराध बढ़ रहे हैं, पत्रकारों पर हमले भी बढ़ते जा रहे हैं। सच उजागर करने पर वही लोग बौखला जाते हैं जो इन बुराइयों में लिप्त होते हैं। दिखावे के लिए पुलिस या प्रशासन मामलों को दर्ज कर लेता है, परंतु कार्रवाई बहुत कम होती है। यह स्थिति चिंताजनक है। भारत में हर वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन प्रेस की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी की याद दिलाता है। प्रथम प्रेस आयोग की सिफारिश पर 4 जुलाई 1966 को प्रेस परिषद की स्थापना की गई थी, जिसने 16 नवंबर 1966 से अपना कार्य आरंभ किया। तब से यह दिन प्रेस को अपने आदर्शों और दायित्वों के प्रति पुनः समर्पित होने का अवसर प्रदान करता है। मीडिया को समाज का दर्पण और दीपक कहा जाता है। समाचार-पत्र हों या न्यूज चैनल इनका कार्य समाज की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करना है। लेकिन कई बार निहित स्वार्थों के कारण यही दर्पण विकृत छवि दिखाने लगता है। खोजी पत्रकारिता के नाम पर पीली-नीली पत्रकारिता बढ़ रही है। प्रेस परिषद ने भी स्वीकार किया है कि अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज होती हैं। पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो चुका है। इसका उद्देश्य सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को संतुलित रूप में जनता तक पहुँचाना है। तथ्यपरकता, संतुलन और निष्पक्षता इसके मूल तत्व हैं, लेकिन आज तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर सनसनी पैदा करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। यह पत्रकारिता की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स की 2025 की विश्व प्रेस स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत 180 देशों में 151वें स्थान पर है। यह पिछले दो वर्षों की तुलना में सुधार है, लेकिन भारत अब भी 'गंभीर स्थिति' वाले देशों में शामिल है। नेपाल, मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश भी भारत से ऊपर हैं। वैश्विक स्तर पर पहली बार प्रेस स्वतंत्रता पर आर्थिक दबावों का गंभीर प्रभाव देखा जा रहा है।

मीडिया का दायित्व और भी अधिक

भारत जैसे देश में मीडिया का दायित्व और बड़ा हो जाता है, क्योंकि यहाँ का एक बड़ा वर्ग अब भी पिछड़ा और अशिक्षित है। जातिवाद, साम्प्रदायिकता और गरीबी के खिलाफ संघर्ष में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक विचारों का प्रसार और सामाजिक सुधार मीडिया ही कर सकता है। आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। आपातकाल के दौरान भी यह मिशन briefly दिखाई दिया। लेकिन धीरे-धीरे पत्रकारिता 'प्रोडक्शन से सेंसेशन और सेंसेशन से कमीशन' की ओर बढ़ती गई। हालांकि इसके लिए केवल मीडिया को दोष देना उचित नहीं है—समाज में बदलाव आते ही मीडिया भी प्रभावित होता है। प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका को जोड़ने का माध्यम है। इसकी स्वतंत्रता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। परंतु आज खबरों में पक्षधरता और असंतुलन भी दिखाई देने लगा है। विचारों पर आधारित समाचारों का बढ़ना पत्रकारिता की सेहत के लिए अच्छा संकेत नहीं है। समाचार विचारों की जननी हैं, लेकिन विचारों पर आधारित समाचार लोकतंत्र के लिए हानिकारक होते हैं।

स्किलस्केप कला प्रदर्शनी 2025 में राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, गांधी नगर, जयपुर और अरिहंत ग्लोबल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, गांधी नगर, जयपुर में आयोजित स्किलस्केप झ छात्रा कला प्रदर्शनी 2025 के दौरान महाविद्यालय एवं अरिहंत ग्लोबल के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू अरिहंत ग्लोबल की पहल DETP (डिजिटल सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम) के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल कौशल से सशक्त बनाना और उन्हें भविष्य के कार्यक्षेत्र हेतु अधिक सक्षम बनाना है। एमओयू पर अरिहंत ग्लोबल के निदेशक श्री राहुल कुमार जैन एवं सुश्री सुनीता जैन, तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शालिनी गुप्ता द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर ललित कला विभागाध्यक्ष श्री महेश चंद्र शर्मा, विशेषाधिकारी (तकनीकी शिक्षा) श्री कुंजी लाल स्वामी तथा अरिहंत ग्लोबल की मानव संसाधन अधिकारी सुश्री राशिका शर्मा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग श्री कुलदीप रांका तथा तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक श्री राजेश कुमार शर्मा भी उपस्थित थे। स्किलस्केप प्रदर्शनी के उद्घाटन के पश्चात हुए इस एमओयू को महाविद्यालय एवं अरिहंत ग्लोबल, दोनों पक्षों ने छात्राओं के डिजिटल कौशल विकास और तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति बताया।

डीईटीपी कार्यक्रम का उद्देश्यः

छात्राओं को डिजिटल तकनीक की समझ प्रदान करना। सरल एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना। वर्तमान उद्योग एवं कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करना। सभी अतिथियों ने इस संयुक्त पहल की सराहना की और कहा कि शिक्षा एवं उद्योग के बीच यह सहयोग छात्राओं को भविष्य के लिए और अधिक सक्षम एवं प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम डीआरजी प्रशिक्षण का आयोजन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, शाहपुरा में स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम के तहत डीआरजी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार को हुआ। प्रभागाध्यक्ष अनिल कुमार मोहनपुरिया ने बताया कि डाइट प्रिंसिपल जगदीश नारायण मीणा के निर्देशन में प्रशिक्षक नरपतसिंह राठोड़ एवं बलवीर बैरवा द्वारा 12 नवंबर से 15 नवंबर तक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में जिलेभर से आए डीआरजी को प्रशिक्षित किया गया, जो आगे अपने-अपने ब्लॉक में जाकर स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य से संबंधित 11 मॉड्यूल गतिविधियों के साथ पढ़ाए गए। इस अवसर पर रामकुमार धोबी, राजेश ओझा, नवीन कुमार बाबेल, नागेश्वर दाधीच, अब्बास रंगरेज, पूनम जीनगर, तरुण कोली, भावना, पूजा, रघुवीर आदि उपस्थित रहे।

आज होगा विशाल पाषाण जिनालय एवं नन्दीश्वर दीप गगन विहारी का शिलान्यास

प्रकृति के साधनों का संरक्षण कर पर्यावरण सुरक्षित करें: मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

थूवोनजी. शाबाश इंडिया। राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने प्रवचन में कहा कि वायु को स्वच्छ रखना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। ये वही हवाएँ हैं जो हमें जीवनदान देती हैं, इसलिए प्रकृति के उपकार को चुकाना हमारा धर्म है। यदि हम प्रकृति के प्रति कर्तव्य नहीं निभाएँगे, तो ऐसा जन्म भी मिल सकता है जहाँ वनस्पतियाँ दुर्लभ हों, और लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हों। महाराजश्री ने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में वनस्पतियों, सब्जियों, लकड़ी तथा जल जैसे प्राकृतिक संसाधनों का निरंतर उपयोग करता है—जीवन से लेकर मरण तक लकड़ी और पानी का प्रयोग होता है। परंतु क्या हम कभी विचार करते हैं कि हम कितना जल प्रदूषित कर रहे हैं? यदि हम पानी को गंदा करते हैं तो उसे स्वच्छ करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी के उपकारों को चुकाने के लिए वंजर भूमि को उपजाऊ बनाना, हरियाली बढ़ाना और प्रकृति का संरक्षण आवश्यक है। चाणक्य के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा—जैसे राजा हमें समृद्ध करता है, वैसे ही प्रजा को भी तन-मन-धन से सहयोग कर उसे और समृद्ध करना चाहिए।

16 नवंबर को होगा नवीन जिनालयों के भव्य शिलान्यास का समारोहः क्षेत्र कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि वर्षों की प्रतीक्षा और निरंतर प्रयासों के बाद मध्य भारत के विशालतम तीर्थ क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ, थूवोनजी में भव्य शिलान्यास समारोह आयोजित होगा। आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ, क्षुल्लक श्री गम्भीरसागरजी, क्षुल्लक श्री वरिष्ठसागरजी, क्षुल्लक श्री विदेहसागरजी ससंघ एवं वाल ब्रह्मचारी, प्रतिष्ठाचार्य प्रदीपभइया के निर्देशन में यह दिव्य आयोजन संपन्न होगा। इस अवसर पर विशाल पाषाण से निर्मित पंचमुखी जिनालयों, सिंहद्वार तथा श्री नन्दीश्वर दीप के बावन जिनालयों का पूर्ण विधि-विधान से शिलान्यास किया जाएगा। धुर्रा ने बताया कि सौभाग्यशाली परिवार, जिनकी सुकृति पूर्व से घोषित है, इस शिलान्यास का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों सहित उपस्थित होकर जिनधर्म की महती प्रभावना में सहभागी बनें।

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

शहर के ममेरां रोड बाईपास स्थित नचिकेतन पब्लिक स्कूल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर बाल दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबीलदास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, एडमिनिस्ट्रेटर अशोक कुमार मोहराना, तथा प्रबंधन समिति के सदस्य परमिंद्र सिंह सिद्धु, कपिल सुथार और शिवम सुथार ने चाचा नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। विद्यालय प्रशासक अशोक कुमार मोहराना ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुतियाँ देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर कक्षा छठी से बारहवीं तक के उन छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिन्होंने सत्र के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंत में विद्यालय प्रशासक अशोक कुमार मोहराना ने सभी प्रतिभागियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा उपस्थित अध्यापकों एवं सहकर्मियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आगे भी इसी प्रकार सफल कार्यक्रम आयोजित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबीलदास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, एडमिनिस्ट्रेटर अशोक कुमार मोहराना, प्रबंधन समिति सदस्य परमिंद्र सिंह सिद्धु, कपिल सुथार, शिवम सुथार, विद्यालय प्रेस प्रवक्ता गुरसेवक सिंह, सभी अध्यापकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के सिद्धांत हाशिए पर?

पंथों की होड़ में सिद्धांतों की आत्मा लहूलुहान

जहाँ संयम की जगह प्रदर्शन और आत्मा की जगह आयोजन ने ले ली हो, वहाँ धर्म नहीं–धर्म की केवल छाया बचती है। जैन धर्म की पावन भूमि पर आज आध्यात्मिक शांति नहीं, बल्कि पंथों और मंचों की प्रतिस्पर्धा का कोलाहल सुनाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे भगवान महावीर के सिद्धांतों को किसी ने ओपन स्क्रिप्ट की तरह छोड़ दिया हो–और हर पंथ, हर प्रवक्ता, हर मंच उस पर अपनी-अपनी कलम चला रहा हो। किसी ने अहिंसा को मौन में सजाया है, तो किसी ने माइक में। किसी ने अपरिग्रह को त्याग से जोड़ा है, तो किसी ने ट्रस्ट फंड से। भगवान महावीर ने कहा था–'मनुष्य अपने भीतर झाँके।' आज कहा जाता है–'पहले हमारे चैनल में झाँके।' उनके लिए साधना जीवन का शिखर थी; आज वह मंच का कार्यक्रम बन गई है। भक्ति की भावना की जगह अब ब्रॉडकास्ट टाइमिंग तय होती है।

अब प्रवचन नहीं, प्रोडक्शन होते हैं।

साधु नहीं, ब्रांड तैयार किए जाते हैं।

धर्मसभा नहीं, आध्यात्मिक शो होते हैं, जहाँ प्रकाश की चकाचौंध में संयम की गहराई खो जाती है।

महावीर का 'मौन' आज माइक में बदल गया है।

उनकी सादगी स्टेज डिजाइन, बैकड्रॉप लाइटिंग और इवेंट मैनेजमेंट में लिपट गई है।

संयम अब पोस्टर पर दिखता है, विनम्रता प्रेस विज्ञप्ति में। प्रत्येक पंथ अपना 'नया महावीर' तैयार कर रहा है–कोई वस्त्र बदल रहा है, कोई विधान, कोई भक्ति की परिभाषा, और कोई मोक्ष के मार्ग को 'मेंबरशिप स्कीम' बना रहा है। धर्म अब आत्मा का नहीं, बल्कि ब्रांड वैल्यू का विषय बनता जा रहा है। अनेकांतवाद–जो कभी विचारों के सम्मान की नींव था–अब 'अनेक पंथवाद' में बदल गया है, जहाँ हर कोई अपनी ही व्याख्या को अंतिम सत्य घोषित करता बैठा है।

कभी ध्यान था, अब डिबेट शो है।

कभी मौन था, अब मार्केटिंग टूल है।

धर्म के नाम पर मंच सज रहे हैं, जहाँ आशीर्वाद से पहले स्पॉन्सर का नाम लिया जाता है और प्रवचन के बाद फोटो सेशन होता है। अहिंसा अब केवल शब्द रह गई है–विचारों की हिंसा तो खुलेआम चल रही है, जहाँ असहमति को पाप, और प्रश्न को अपराध माना जा रहा है। महावीर के सिद्धांत अब अनुकरण के नहीं, एडिटिंग के विषय बनते जा रहे हैं। हर गुरु अपने हिसाब से उनके उपदेशों का संस्करण बना रहा है, जैसे किसी पवित्र ग्रंथ को रिलॉन्च किया जा रहा हो– नया कवर, नई भाषा–पर आत्मा गायब। और सबसे दुखद यह कि लोग अब धर्म से नहीं, धर्मगुरुओं से जुड़ते हैं। धर्म का अनुशासन पीछे है–व्यक्ति-पूजा का शोर आगे।

शायद यही समय की सबसे बड़ी त्रासदी है– महावीर के सिद्धांत, जिनसे मोक्ष का मार्ग खुलता था, आज उन्हीं से फॉलोअर्स का रास्ता बनाया जा रहा है। यदि भगवान महावीर आज होते, तो शायद मुस्कुराकर कहते–अहिंसा के नाम पर जो वैचारिक हिंसा हो रही है, वही मेरे धर्म की सबसे बड़ी हत्या है। मेरे विचारों से किसी को आहत हुआ हो तो हृदय से क्षमा प्रार्थी हूँ।

– ब्रजेश सिंघवी, शोधार्थी लेखक
मो: 9460595599

थानाधिकारी राजेश कुमार वर्मा की अगुवाई में राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 'वंदे मातरम्' समारोह आयोजित

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में नवनियुक्त थानाधिकारी राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर फागी थाना परिसर में भव्य वंदे मातरम्-समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा नई पीढ़ी में राष्ट्रीय भावना का संचार करना है। सीएलजी जिला कोऑर्डिनेटर राजाबाबू गोधा ने बताया कि स्वदेशी संकल्प के साथ कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम् के गायन से की गई। सुबह 9:30 बजे आरंभ हुए इस महत्वपूर्ण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत समारोह में पुलिसकर्मियों के साथ-साथ विद्यार्थियों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। थाना अधिकारी राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) अनिल कुमार टांक द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेशभर के सभी पुलिस थानों में वंदे मातरम् कार्यक्रम एवं स्वदेशी संकल्प समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आईजी लॉ ऐंड ऑर्डर अनिल टांक के निदेर्शानुसार यह कार्यक्रम केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की गई। समारोह में पुलिस कर्मियों के साथ सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक दल, पुलिस मित्र एवं स्कूल के विद्यार्थी भी शामिल हुए। इसी क्रम में कस्बे के प्रबुद्ध लोगों ने नवनियुक्त थानाधिकारी राजेश कुमार वर्मा का माला व दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में फागी थाना अधिकारी राजेश कुमार वर्मा, जिला कोऑर्डिनेटर राजाबाबू गोधा, अशोक ब्रह्मभट्ट, विष्णु लुहार, धन्नालाल जाजोरिया, मुकेश चिंदौला, रिद्धीकरण गुसाईवाल, आरती वर्मा, सुनीता शर्मा, रजनी जांगिड़, छुट्टन रेगर, गीता शर्मा, अनामिका शर्मा सहित फागी थाने के सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसबीआई पेंशनर एसोसिएशन यूनिट बांसवाड़ाझडूंगरपुर का शीतकालीन अधिवेशन संपन्न : पेंशनर्स के लिए डिस्पेंसरी शीघ्र आकार लेगी

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

एसबीआई पेंशनर एसोसिएशन यूनिट बांसवाड़ा-डूंगरपुर का एक दिवसीय शीतकालीन अधिवेशन क्षेत्रीय कार्यालय बांसवाड़ा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि मुकुंद भट्ट ने अध्यक्षता की। अकील अहमद और मैनेजर (एचआर) योगेश शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। अधिवेशन का संयोजन अजीत कोठिया ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में सचिव अजीत कोठिया ने सभी का स्वागत करते हुए त्रैमासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पेंशनर एसोसिएशन की त्रैमासिक पत्रिका का नवीनतम अंक भी सभी सदस्यों को वितरित किया गया। मैनेजर एचआर योगेश शर्मा ने जानकारी दी कि पेंशनर्स डिस्पेंसरी जनवरी 2026 तक प्रारंभ हो जाएगी। क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि वे अपने कार्यकाल में ही बांसवाड़ा में एसबीआई पेंशनर्स के लिए डिस्पेंसरी शुरू करवाएंगे तथा इसे आरबीओ की तीसरी मंज़िल पर स्थापित किया जाएगा। अधिवेशन में सभी पेंशनर्स का दिसंबर में सपरिवार वन-भ्रमण आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसके लिए भारती त्रिवेदी को प्रभारी नियुक्त किया गया। दिनेश चंद्र पंड्या (नयागांव) को यूनिट की सदस्यता प्रदान की गई। यूनिट के सभी साथियों को समय-समय पर अपडेट रखने हेतु पाक्षिक वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया। एसबीआई हेल्थ असिस्ट पॉलिसी संबंधी जानकारी के लिए सुभाष कक्कड़ (एलएचओ जयपुर) का मोबाइल नंबर भी सभी सदस्यों से साझा किया गया। कई सदस्यों के लाइफ सर्टिफिकेट वहीं पर जमा कराए गए। सदस्यों की एचआरएमएस से जुड़ी समस्याओं के समाधान में मैनेजर एचआर योगेश शर्मा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। बैठक को बापूलाल गुप्ता, प्रताप वर्मा, हरीश चंद्र गुप्ता, ललित कुमार शर्मा, रामेश्वर चौबीसा, दिलीप कुमार भट्ट, रघुनाथ रावल, लक्ष्मीकांत शाह, राजेंद्र कुमार जैन, राजेंद्र चंचावत, महेश चंद्र दोसी, नरेंद्र कुमार व्यास, सत्यनारायण दोसी, भारती त्रिवेदी, मुकुंद भट्ट, वीरेंद्र मेहता, सुशील कुमार त्रिवेदी, अजीत कोठिया, जनार्दन त्रिवेदी तथा तेजपाल जैन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया तथा आभार व्यक्त योगेश शर्मा द्वारा किया गया।

जैन सोशल ग्रुप संस्कार का प्रातः भ्रमण एवं नौका विहार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संस्कार द्वारा, ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी एवं अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के कुशल नेतृत्व में, 15 नवंबर (शनिवार) को एक विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकालीन ताजा हवा के बीच सदस्यों द्वारा मॉर्निंग वॉक के साथ हुई। इस दौरान सभी ने गीत गुनगुनाते हुए आनंदमय और खुशनुमा माहौल में दिन की शुरूआत की। सचिव जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे चरण में हाई टी के पश्चात नौका विहार का आनंद लेते हुए सदस्य नेहरू गार्डन पहुंचे। उपाध्यक्ष विनोद लसोड़ ने बताया कि झील के मध्य स्थित नेहरू गार्डन की प्राकृतिक सुंदरता और मनोहारी परिदृश्य ने सभी का मन मोह लिया। सह सचिव राजेश सामर ने बताया कि नेहरू गार्डन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें समूह के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। कोषाध्यक्ष किरण पोखरना ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आपसी बंधुत्व और प्रेम को मजबूत करना था, जो निश्चित रूप से सफल रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमिला जैन ने किया। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में फतह सिंह मेहता, वीरेंद्र जैन, डॉ. प्रकाश कंठालिया, राजेंद्र चौरड़िया, अनीता पगारिया, हार्दिक कोठारी, राजकुमार मेहता, सुरेंद्र भंडारी, चंद्र प्रकाश मेहता सहित कई सदस्यों ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के तीसरे चरण में महाकालेश्वर मंदिर दर्शन के पश्चात जीवदया के अंतर्गत गायों को हरी घास खिलाकर पुण्यार्जन किया गया। इस विशेष आयोजन में कुल 130 सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी का 32 साधुओं सहित अतिशय क्षेत्र टोंक से शिवाड़ की ओर मंगल विहार – अश्रुपूरित नेत्रों से बिदाई

टोंक. शाबाश इंडिया

'उड़ गया पंछी रे हरी-भरी डाल से'
रोको ना रोको कोई गुरु को विहार से...

बैंड-डीजे पर बज रहे इन भजन-गीतों की पंक्तियाँ उपस्थित जनसमूह की आँखों को नम कर रही थीं। अनेक युवाओं और महिलाओं के नेत्रों से आँसू बह रहे थे। प्रसंग था–हजारों समाजजन द्वारा राजस्थान के राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की चातुर्मास समाप्ति के पश्चात अश्रुपूरित बिदाई। 'रमता जोगी, बहता पानी' – रोकने से भी नहीं रुकता। वर्ष 2025 के वर्षायोग के बाद प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी की अक्षुण्ण पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने अनेक ऐतिहासिक और धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत 15 नवंबर, शनिवार को 32 साधुओं सहित टोंक नगर से शिवाड़ की दिशा में मंगल विहार किया। सुबह श्री आदिनाथ जिनालय में आचार्य संघ के सान्निध्य में भव्य पंचामृत अभिषेक हुआ। नगर से प्रस्थान से पूर्व धर्मदेशना में आचार्य श्री ने बताया कि 'टोंक जिले में चातुर्मास किया था, अब चातुर्मास संपन्न कर इसी जिले में विहार करेंगे।' संघ की भक्ति और श्रद्धा निरंतर बनी रहनी चाहिए। 55 वर्ष पूर्व दीक्षागुरु आचार्य श्री धर्मसागर जी द्वारा दिए गए संस्कारों में निरंतर वृद्धि हुई है। कमेटी और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। छोटे-छोटे नियम और व्रत से संयम और वैराग्य का बड़ा वृक्ष पल्लवित होता है। मनुष्य जीवन अत्यंत मूल्यवान है–बार-बार नहीं मिलता। प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी का मूल सूत्र था– डरो मत, संयम धारण करो।

महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा स्वेटर वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। सुकून भरी सर्दी–हाड़ कंपाती ठंड में कोई विद्यार्थी ठिठुरने न पाए, इस संदेश के तहत महावीर इंटरनेशनल युवा के तत्वावधान में, रिटायर्ड आर.आई. दुल्लाराम जी चौधरी के सौजन्य से स्थानीय राजकीय सुरजी देवी उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय में 97 छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदनलाल चौधरी ने संस्था अध्यक्ष रामावतार गोयल, सचिव अजीत पहाड़िया, युवा अध्यक्ष आनंद सेठी तथा युवा सचिव विकास 'नीतू' पाटनी का माला पहनाकर स्वागत किया।

साथ ही संस्था के उपस्थित सदस्य–विशाल पाटोदी, आशीष, राहुल झांझरी, विपुल, प्रिया गंगवाल, रॉबिन पहाड़िया, सुरेन्द्र सिंह दीपपुरा, नेहा पहाड़िया और मोनिका जैन–का भी विद्यालय स्टाफ की ओर से अनुराधा मैडम और माणकचंद चोटिया द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदनलाल चौधरी ने महावीर इंटरनेशनल संस्था तथा दानदाता परिवार–दुल्लाराम चौधरी एवं अजीत चौधरी–द्वारा किए गए इस प्रेरक सेवा कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा संस्था की निरंतर होने वाली जनसेवा गतिविधियों के लिए आभार प्रेषित किया।

– वीर सुभाष पहाड़िया

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

12 रोटेरियन बाइकर्स का जयपुर री ढाणी में शानदार स्वागत

पुडुचेरी, तमिलनाडु और कर्नाटक से K2K इंटरनेशनल फेलोशिप ऑफ मोटरसाइकिल राइडर्स के बाइकर्स का दिल्ली रोड स्थित जयपुर री ढाणी में राजस्थानी सभ्यता, संस्कृति, संगीत और नृत्य से भरपूर पारंपरिक अंदाज में शानदार स्वागत किया गया। यह स्वागत रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर, रोटरी क्लब जयपुर मैन, रोटरी क्लब जयपुर मैजेस्टी, रोटरी क्लब जयपुर सेंट्रल और रोटरी क्लब जयपुर एलिट द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। रोटरी क्लब बापूनगर की अध्यक्ष रोटेरियन मीता माथुर ने बताया कि रोटरी के ये 12 बाइकर्स कन्याकुमारी से पूरे भारत वर्ष की यात्रा पर निकले हैं। यह यात्रा तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब से होते हुए कश्मीर जाकर समाप्त होगी। क्लब के सचिव श्याम सुंदर गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर रोटेरियन बसंत जैन, सुधीर गुप्ता, रोटरी मैजेस्टी की अध्यक्ष मोनिका भंसाली, संजय भंसाली, विकास सोलंकी, राजेंद्र लुहाड़िया, स्वाती बंसल, सचिन आदि उपस्थित रहे। बापूनगर के उपाध्यक्ष बसंत जैन ने बताया कि इस अवसर पर क्लबों के बीच रोटरी फ्रेंडशिप के प्रतीक रोटरी फ्लैग्स का आदान-प्रदान भी किया गया, जो हमेशा स्मृति के रूप में संजोकर रखा जाएगा।

मुनि श्री भावनंद जी महाराज के सानिध्य में नौगामा नगर में शांति धारा अभिषेक

रिपोर्ट: सुरेश चंद्र गांधी, जिला बांसवाड़ा, राजस्थान

नौगामा नगर में विराजमान परम पूज्य तीर्थनंद जी महाराज के शिष्य मुनि श्री भावनंद जी महाराज के सानिध्य में आज प्रातः वागड़ के बड़े बाबा भगवान आदिनाथझनेमिनाथ की शांति धारा बड़े ही भक्ति भाव से संपन्न हुई। प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य पंचोली मोहनलालझमदनलाल को प्राप्त हुआ। मुनि श्री ने आहारचर्या के पश्चात लघु सम्मेद शिखर सुखखोदय तीर्थ की वंदना की तथा 24 टोंक, सात गुफा, जल मंदिर एवं मुख्य मंदिर के दर्शनों का लाभ लिया। इस अवसर पर मुनि श्री ने नवनिमार्णाधीन 1008 भगवान मुनि सुव्रतनाथ जिनालय का अवलोकन भी किया। महाराजश्री ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मंदिर शीघ्र ही पूर्ण होकर भगवान की प्रतिमा भव्यता से विराजमान हो – इसी मंगलकामना के साथ सभी को आशीष प्रदान किए। शाम को मुनि श्री ने जैन पाठशाला के बच्चों को संस्कार विषय पर मंगल प्रवचन दिए। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा प्रदान की गई।

मोक्ष कल्याणक के साथ पंचकल्याणक का समापन, अब होगा नमोस्तु भवन का शिलान्यास

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुतसंवेगी मुनि आदित्य सागर जी महाराज के ससंघ परम सान्निध्य में श्री मज्जिनेन्द्र नेमीनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन आज मुन्सी महल गार्डन, कमल एंड कंपनी, टोंक रोड, जयपुर में संपन्न हुआ। पंचकल्याणक के अंतिम दिन आज मोक्ष कल्याणक मनाया गया। प्रारंभ में शांतिधारा की गई, जिसके पुण्यार्जक श्री नवल जी-अभिषेक जी जैन (मंगल विहार) परिवार थे। मंदिर अध्यक्ष प्रेम जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि अंतिम दिन भगवान नेमीनाथ के मोक्ष कल्याणक की पूजा के उपरांत प्रभु को निर्माण लड्डू समर्पित किया गया। निर्माण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य नितिन जी-दीपशिखा पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। प्रातः नित्य पूजन एवं मोक्ष कल्याणक पूजा के बाद मुनि आदित्य सागर जी का मंगल प्रवचन हुआ। इसके पश्चात सभी नवीन प्रतिमाओं को भव्य झुलूस के माध्यम से कीर्ति नगर जैन मंदिर लाया गया तथा उन्हें नवीन वेदियों पर विराजमान किया गया। प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि झुलूस में हाथी, घोड़े, बग्गियाँ, बैंड के साथ लगभग 5000 श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। नवीन रजत रथ पर भगवान आदिनाथ, भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान महावीर की

प्रतिमाएँ विराजमान की गईं। जब मुनि श्री द्वारा मंत्रोच्चारपूर्वक प्रतिमाओं को नवीन वेदी पर विराजमान किया गया, तब पूरा मंदिर जयकारों से गूंज उठा। यह क्षण सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया। अपने मंगल प्रवचन में मुनि श्री ने कहा कि कीर्ति नगर, जयपुर का यह पंचकल्याणक एक ऐतिहासिक आयोजन बन गया है। पूरे देश में इसकी चर्चा हो रही है। सात दिनों तक निर्विघ्न चले इस महोत्सव की सफलता के लिए प्रबंधकारिणी समिति, महिला मंडल एवं सभी कार्यकर्ताओं की सराहना की गई। प्रचार मंत्री आशीष बैद ने आगे बताया कि रविवार सुबह समाज एवं साधुसाध्वियों के लिए कीर्ति नगर में नवीन नमोस्तु भवन का नींव मुहूर्त मुनि आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में किया जाएगा। महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि इस नवीन नमोस्तु भवन में आधुनिक यात्री निवास एवं संत निवास का निर्माण किया जाएगा।

सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ पीएम श्री केवी नसीराबाद में जनजाति पखवाड़ा सम्पन्न

नसीराबाद (रोहित जैन)

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में 1 नवंबर से 15 नवंबर तक चलने वाला जनजाति जागरण पखवाड़ा रंगारंग गतिविधियों और प्रेरक आयोजनों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पखवाड़े का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारत की जनजातीय विरासत, परंपराओं, साहस और संस्कृति के प्रति सम्मान और जागरूकता विकसित करना रहा। पखवाड़े के दौरान विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता, विभिन्न राज्यों की जनजातियों पर आधारित लोक-नृत्य, जनजातीय जीवन शैली से जुड़े शैक्षिक सत्र, तथा पारंपरिक संस्कृति को दर्शाती रचनात्मक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। छात्रों ने अपनी कला, रंगों और प्रदर्शन के माध्यम से जनजातीय समाज की प्रकृति-निष्ठ जीवनशैली और सांस्कृतिक वैभव को उत्कृष्ट रूप से प्रस्तुत किया। 15 नवंबर को पखवाड़े के समापन अवसर पर विद्यालय परिसर में छात्रों द्वारा तैयार जनजातीय हस्तशिल्प, उपयोगी वस्तुओं, बांस कला, आभूषण, सजावटी सामग्री और स्थानीय उत्पादों की एक आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। परंपरा की झलक दिखाता हाट-बाजार छात्रों और शिक्षकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस आयोजन का संचालन रंजीत कुमार के नेतृत्व में किया गया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय एन आर कुड़िया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य आर सी मीणा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लजनजातीय संस्कृति भारत की आत्मा है, और ऐसे आयोजन बच्चों को जड़ों से जोड़ते हुए उन्हें संवेदनशील और संस्कृतिमन बनाते हैं। उत्साह, रचनात्मकता और सीख का समन्वयः समापन दिवस पर प्रस्तुत की गई जनजातीय कलाकृतियाँ, पारंपरिक नृत्य, वाद्ययंत्र तथा स्थानीय खान-पान की झलक ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत और यादगार बना दिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को समझने और अपनाने का संदेश दिया। यह पखवाड़ा विद्यालय समुदाय के लिए सांस्कृतिक जागरूकता, अनुभवात्मक शिक्षा और सामूहिक सहभागिता का एक अद्भुत उदाहरण बनकर संपन्न हुआ।

सम्मेद शिखरजी पदयात्रा का रजत जयंती समारोह भक्ति भाव से सम्पन्न

अहिंसा-शाकाहार पदयात्रा निकली, पदयात्रियों का हुआ सम्मान, गूंजे भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर द्वारा वर्ष 2000 में आयोजित 1300 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक जयपुर-सम्मेद शिखरजी पदयात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह शनिवार को अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनता कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर से राणाजी की नसिया, खानिया तक अहिंसा-शाकाहार पदयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने सहभागिता की। सुबह 6:15 बजे सामूहिक देवदर्शन, अभिषेक, शांतिधारा और यह जीवन मंगलमय हो। वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पदयात्रा में भगवान महावीर और भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों के साथ अहिंसा व शाकाहार के संदेश का जनझजागरण किया गया। राणाजी की नसिया पहुंचने पर सामूहिक पूजा आयोजित की गई, जिसमें संगीतकार नरेन्द्र जैन एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत जैन भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किया। इसके पश्चात 24 तीर्थंकरों के टोंकों के एलईडी दर्शन कराए गए और सामूहिक अर्घ्य चढ़ाए गए। समारोह में वर्ष 2000 की 1300 किमी पदवंदना में शामिल 91 पदयात्रियों में से 69 जीवित पदयात्रियों, तथा 22 स्वर्गवासी पदयात्रियों के परिजनों को प्रशस्तिझपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा 30 घंटे की लगातार मोटिवेशनल स्पीच देकर विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले सौरभ जैन का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विनोद जैन (कोटखावदा), सूर्यप्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन और विनेश सोगानी ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजनों, पदयात्रियों, श्रेष्ठीजन एवं धार्मिक नेताओं की उपस्थित रही। पदयात्रा संघ, जिसकी स्थापना 1986 में स्व. ज्ञान प्रकाश बख्शी द्वारा की गई थी, अब तक अनेक ऐतिहासिक पदयात्राएँ आयोजित कर चुका है और कुण्डलपुर (म.प्र.) में विशाल औषधालय निर्माण सहित कई सामाजिक-धार्मिक सेवाओं का संचालन करता आ रहा है।

महावीर पब्लिक स्कूल में जैन धर्म और आधुनिक विज्ञान पर अंतर्विद्यालयी संभाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में शनिवार को श्रीमती भंवर देवी बज मेमोरियल एजुकेशनल एंडोवमेंट द्वारा प्रायोजित जैन धर्म और आधुनिक विज्ञान विषय पर आठवीं अंतर्विद्यालयी संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी और मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर की निदेशक डॉ. लता श्रीमाली का स्वागत संस्था अध्यक्ष उमराव मल सांघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, उपाध्यक्ष कमल बाबू जैन और प्राचार्या सीमा जैन ने माल्यार्पण व शॉल भेंट कर किया। परिषद ने राजेंद्र जी बज, कैलाश चंद्र जी सांघी सहित बज परिवार का भी स्वागत किया। प्रतियोगिता के लिए निर्णायक मंडल में पियूष जैन शास्त्री, डॉ. श्रुति जैन और टोडरमल सिद्धांत कॉलेज के प्रतिनिधि शामिल रहे। मानद मंत्री सुनील बख्शी ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टि और वैचारिक क्षमता विकसित करना है। प्रतियोगिता में जयपुर के 11 स्कूलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और जैन धर्म की वैज्ञानिकता को तर्क, उदाहरण और प्रभावी अभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ. लता श्रीमाली ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास और भाषण कौशल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को राजस्थान संस्कृत अकादमी की सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण मुहिम से जुड़ने का आग्रह किया। प्रतियोगिता में रुद्रांक्षी शर्मा (महाप्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल) ने प्रथम, देवांश गोधा (महावीर पब्लिक स्कूल) और प्रियांशी जैसवाल (सुबोध पब्लिक स्कूल) ने द्वितीय तथा नमन जैन (एसएमडीजी स्कूल) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।